मूल्यांकन योजना

अर्थशास्त्र

कक्षा–XII **सत्र–2024–25**

<table>
<tr><th>प्रश्न सं0</th><th>प्रश्न</th><th>अंक</th></tr>
<tr><td>1</td><td>C</td><td>1</td></tr>
<tr><td>2</td><td>B</td><td>1</td></tr>
<tr><td>3</td><td>A</td><td>1</td></tr>
<tr><td>4</td><td>C</td><td>1</td></tr>
<tr><td>5</td><td>C</td><td>1</td></tr>
<tr><td>6</td><td>A</td><td>1</td></tr>
<tr><td>7</td><td>सामाजिक (Social)</td><td>1</td></tr>
<tr><td>8</td><td>ऊपर (above)</td><td>1</td></tr>
<tr><td>9</td><td>-VE</td><td>1</td></tr>
<tr><td>10</td><td>B</td><td>1</td></tr>
<tr><td>11</td><td>अर्थव्यवस्था की आधारभूत समस्याएं केन्द्रीय समस्याएं कहलाती है।
1) किन वस्तुओं का उत्पादन करना है और कितनी मात्रा में उत्पादन करना है? :– उपभोक्ता अथवा पूंजीगत वस्तुएं
2) उत्पादक किस प्रकार करना है? – तकनीक का चुनाव।
3) उत्पादन किसके लिए करना है? :– स्वयं उपभोग अथवा बाजार में बेचने के लिए।</td><td>1
1
1</td></tr>
<tr><td>12</td><td>तटस्थता वक्र की विशेषताएं :-
1. तटस्थता वक्रो का ढलान -ve होता है।
2. ये मूल बिन्दु की तरफ उन्नोत्तर होते है।
3. ये एक दूसरे को कभी नहीं काटते हैं।
4. ऊँचा तटस्थता वक्र उच्च संतुष्टि को प्रकट करता है।
5. तटस्थता वक्र कभी भी X-Axis और Y-Axis को स्पर्श नहीं करते है।

अथवा
<table><tr><th>कोमत (Price)</th><th>कुल व्यय (Total Exp.)</th><th>मांग की लोच Elaticity of Demand</th></tr><tr><td>1</td><td>50</td><td rowspan="2">Ed < 1
क्योंकि कीमत और कुल व्यय में घनात्मक सम्बंध है</td></tr><tr><td>2</td><td>64</td></tr></table></td><td>1
1
1
3</td></tr>
</table>

13	कारक के घटते प्रतिफलः– अल्पकाल में जब स्थिर कारकों की निश्चित इकाईयों के साथ परिवर्तनशील कारको में वृद्वि की जाए। इस अवस्था में कुल उत्पादन (TP) घटते दर पर बढता है एवं सीमांत उत्पादन (MP) घटता एवं सीमातं लागत (MC) बढ़ती है।	1

श्रम की ईकाईयां	1	2	3	4	5	6	7
भूमि की ईकाईयां	10	10	10	10	10	10	10
कुल उत्पादन	5	9	12	14	15	15	14
सीमांत उत्पादन	5	4	3	2	1	0	-1

1

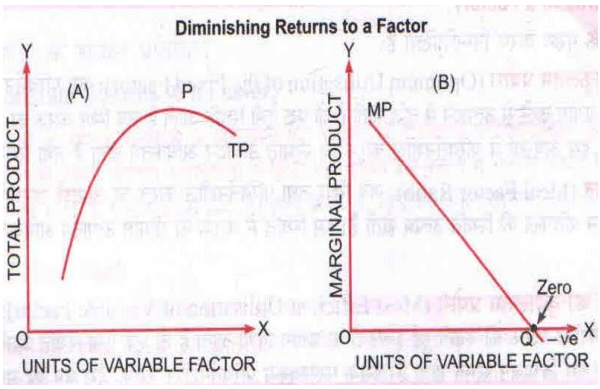

2

14	एक फर्म संतुलन की स्थिति में उस अवस्था में होगी जब–	
	(1) MC = MR	1
	(2) MC वक्र MR वक्र को नीचे से काटें।	
	एक फर्म इस अवस्था में असामान्य लाभ उस समय प्राप्त करती है जब फर्म की औसत आय (AR) उसकी औसत लागत (AC) से अधिक होती है।	
	असामान्य लाभ = **AR > AC**	1

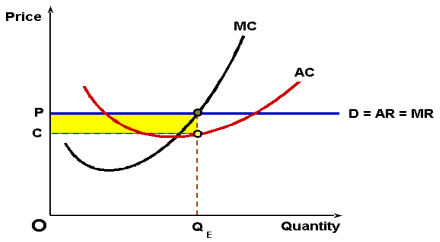

2

अथवा

Output	0	1	2	3	4	5	6
TC	10	30	45	55	70	90	110
TFC	10	10	10	10	10	10	10
TVC	0	20	35	45	60	80	100
AFC	-	10	5	3.33	2.5	2	1.67
AVC	-	20	17.5	15	15	16	16.67
MC	-	20	15	10	15	20	20

1
1
1
1

15

संतुलित कीमत वह कीमत है जिस पर किसी वस्तु की मांग और पूर्ति बराबर होती है अर्थात क्रेताओं का क्रय और विक्रेताओं का विक्रय एक दूसरे के बराबर होता है।

1

कीमत	1	2	3	4	5
मंग	50	40	30	20	10
पूर्ति	10	20	30	40	50

1

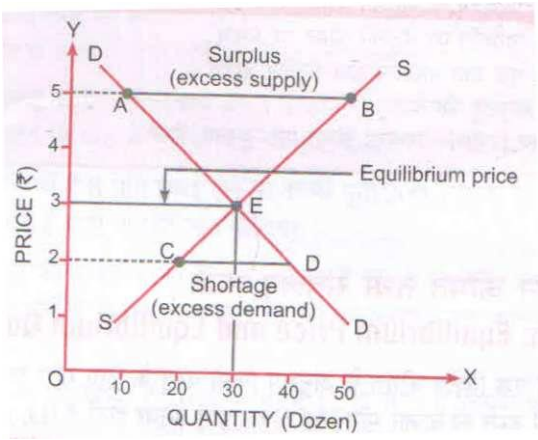

2

तलिका और रेखाचित्र की व्याख्या करें।

अथवा

नियत्रण कीमत	समर्थन कीमत	
1. यह वह उच्चतम कीमत है जो एक उत्पादक अपनी वस्तु के लिए प्राप्त कर सकता है।	1. यह वह कम से कम कीमत है जो उत्पादकों को उनके उत्पाद के लिए दी जाती है।	1
2. इसका उद्देश्य जीवन के लिए आवश्यक वस्तुएं सभी तक पहुंचना है।	2. इसका उद्देश्य किसानों की आय सुनिश्चित करना है।	1
3. इसका निर्धारण संतुलित कीमत से नीचे होता है।	3. इसका निर्धारण संतुलित कीमत से ऊपर होता है।	1
4. इस अवस्था में मांग अधिक्य होता है। मांग > पूर्ति	4. इस अवस्था में पूर्ति अधिक्य होता है। पूर्ति > मांग	1
5. उदाहरण– दवाईयां आदि	5. उदाहरण–गेहूं, चावल आदि	

16

मांग की कीमत लोच मापने की कुल व्यय विधि :-

कुल व्यय विधि यह बताती है कि किसी वस्तु की कीमत में परिवर्तन होने पर कुल व्यय में कितना परिवर्तन और किस दिशा में हुआ है। 1

A) वस्तु की कीमत बढ़ने या घटने पर उस वस्तु पर किया गया कुल व्यय स्थिर रहेतो मांग की कीमत लोच ईकाई होगी।

B) वस्तु की कीमत बढ़ने पर कुल व्यय घट जाए और कीमत घटने पर कुल व्यय बढ़ जाए तो मांग की कीमत लोच इकाई से अधिक होगी।

C) वस्तु की कीमत बढ़ने पर कुल व्यय बढ़ जाए और कीमत घटने पर कुल व्यय घट जाए तो मांग की कीमत लोच इकाई से कमहोगी। 2

कीमत	मत्रा	कुल व्यय (PQ)	मांग की लोच
1 2	10 5	10 10	$E_d = 1$
1 2	10 4	10 8	$E_d > 1$
1 2	10 6	10 12	$E_d < 1$

2

	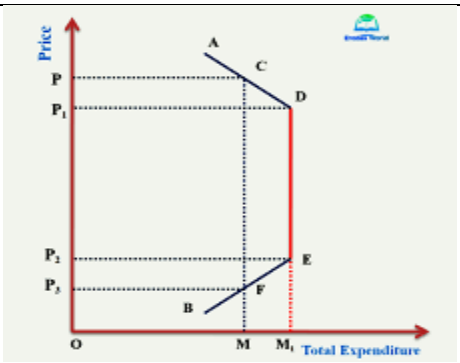 नोटः अनुसूची एवं रेखाचित्र की व्याख्या। अथवा मांग का नियम – मांग का नियम यह बताता है कि अन्य बाते समान रहने पर, किसी वस्तु की अपनी कीमत बढ़ने पर उसकी मांग कम हो जाती है तथा अपनी कीमत कम होने पर उसकी मांग बढ़ जाती है। मांग का नियम लागू होने के कारणः– 1. घटती सीमांत उपयोगिता का नियम 2. आय प्रभाव 3. प्रतिस्थापन प्रभाव 4. उपभोक्ता समूह का आकार 5. विभिन्न उपयोग। उपरोक्त बिन्दुओं की व्याख्या।	1 1 1 1 1 1 1 1
17	पूर्ण प्रतियोगिता का अर्थः– पूर्ण प्रतियोगिता बाजार उस बाजार को कहते हे जिसमें समरूप वस्तु के असंख्य क्रेता और असंख्य विक्रेता होते हैं जो समरूप वस्तु को समान कीमत पर बेचते और खरीदते है। विशेषताएंः– 1) क्रेताओं और विक्रेता की अधिक संख्या 2) समरूप वस्तुएं 3) पूर्ण ज्ञान 4) पूर्ण गतिशीलता 5) फर्मों का स्वतंत्र प्रवेश व छोड़ना 6) यातायात लागत का अभाव 7) AR और MR बराबर 8) वस्तु की कीमत उद्योग द्वारा निर्धारित उपरोक्त किन्हीं 5 विशेषताओ की व्याख्या। प्रत्येक विशेषाओं को एक–एक अंक दिए जाए।	1 1 1 1 1 1 1

	अथवा फर्म के संतुलन को ज्ञात करने को महत्वपूर्ण विधि सीमांत विधि कहलाती है। एक फर्म संतुलन की अवस्था में उस समय होगी जब निम्नलिखित शर्तें पूर्ण होगी। 1. MC=MR (आवश्यक शर्त) 2. MC वक्र MR वक्र को नीचे से काटे	2
	A) यदि सीमांत आगम (MR) सीमात लागत (MC) से अधिक है। फर्म अपने उत्पादन मे वृद्वि करेगी। B) यदि सीमांत आगम (MR) सीमात लागत (MC) से कम है। फर्म अपने उत्पादन में कमी करेगी। C) यदि सीमांत आगम (MR) सीमात लागत (MC) से बराबर है। और सीमांत लागत (MC) बढ़ रहीहै हो तब उत्पादन संतुलन की स्थिति में होगा।	2
	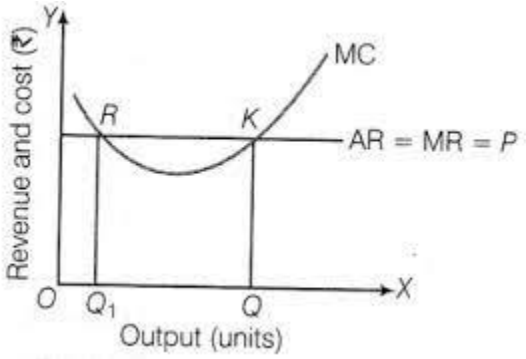 रेखाचित्र की व्याख्या करे।	2
18	**A**	1
19	**B**	1
20	**C**	1
21	**B**	1
22	**C**	1
23	**D**	1
24	अप्रत्यक्ष (**Indirect)**	1
25	**M_1**	1
26	प्रचालन अधिशेष (**Operating Surplus)**	1
27	**A**	1

28

व्यापार शेष	भुगतान शेष
1. इसमें केवल दृश्य मदों को शामिल किया जाता है।	1. इसमें दृश्य, अदृश्य और पूंजी अंतरण सभी को शामिल किया जाता है।
2. यह एक संकुचित धारणा है।	2. यह एक विस्तृत धारणा है।
3. आर्थिक दृष्टि से कम महत्वपूर्ण है।	3. आर्थिक दृष्टि से अधिक महत्वपूर्ण है।
4. व्यापार शेष संतुलित या असंतुलित हो सकता है।	4. भुगतान शेष सदैव संतुलित होता है।

1
1
1

29

समग्र मांग के निर्धारक तत्व :–

$$AD = C + I + G + (X-M)$$

1. घरेलू क्षेत्र का उपयोग व्यय (C) :– लोगों द्वारा अपनी आवश्यकता की प्रत्यक्ष संतुष्टि के लिए वस्तुओं और सेवाओं पर किया जाने वाला व्यय घरेलू क्षेत्र का उपयोग व्यय कहलाता है।

$$C = f(Y)$$

2. निवेश (I) :–पूंजीगत पदार्थों में होने वाली वृद्धि निवेश कहलाती है।

3. सरकारी उपभोग व्यय (G) :- सरकार द्वारा सार्वजनिक निर्माण और कल्याण पर किया जाने वाला व्यय सरकारी उपभोग व्यय कहलाता है।

4. निवल निर्यात (X-M) :- निवल निर्यात हम किसी देश के निर्यात में से आयात घटाकर ज्ञात कर सकते है।

1
1
1

अथवा

आय (Y)	1000	1200	1400	1600
उपभोग (C)	900	1060	1210	1350
आय में परिवर्तन (Δ Y)	-	200	200	200
उपभोग में परिवर्तन (Δ C)	-	160	150	140
सीमांत उपभोग प्रवृति (MPC)	-	0.80	0.75	0.70
सीमात बचत प्रवृति (MPS)	-	0.20	0.25	0.30

1
1
1

30	<table><tr><td>व्यष्टि अर्थशास्त्र</td><td>समष्टि अ र्थाशास्त्र</td></tr><tr><td>1. व्यक्तिगत स्तर पर आर्थिक समस्या का अध्ययन किया जाता है। 2. व्यष्टि अर्थव्यवस्था की केन्द्रीय समस्या कीमत निर्धारित है। 3. इसमें समष्टि चरों को स्थिर मानते है।</td><td>1. सम्पूण अर्थव्यवस्था के स्तर पर आर्थिक समस्या का अध्ययन किया जाता हैं 2. समष्टि अर्थशास्त्र की केन्द्रीय समस्या उत्पादन एवं रोजगार का निर्धारण है। 3. इसमें व्यष्टि चरों को स्थिर मानते है।</td></tr></table>	1 1 1 1
31	निवेश गुणकः– आय में वृद्वि और निवेश में वृद्वि का अनुपात निवेश गुणक कहलाता है। $K = \frac{\Delta Y}{\Delta I} = \frac{1}{1-MPC} = \frac{1}{MPS}$ <table><tr><td>ΔI</td><td>ΔY</td><td>ΔC</td><td>ΔS</td></tr><tr><td>2000</td><td>2000</td><td>1000</td><td>1000</td></tr><tr><td></td><td>1000</td><td>500</td><td>500</td></tr><tr><td></td><td>500</td><td>250</td><td>250</td></tr><tr><td></td><td>250</td><td>125</td><td>125</td></tr><tr><td></td><td>–</td><td>–</td><td>–</td></tr><tr><td></td><td>=</td><td>=</td><td>=</td></tr><tr><td></td><td>4000</td><td>2000</td><td>2000</td></tr></table>$K = \frac{1}{1-MPC} = \frac{1}{1-0.5} = \frac{1}{0.5} = 2$ $K = \frac{\Delta Y}{\Delta I} = 2$ $\frac{\Delta Y}{2000} = 2$ $\Delta Y = 4000$	1 3

	अथवा स्फीतिक अंतराल :– स्फीतिक अंतराल वह स्थिति है जिसमे समग्र मांग (AD) अर्थव्यवस्था में पूर्ण रोजगार के लिए आवश्यक समग्र पूर्ति (AS) से अधिक होती है। स्फीतिक अंतराल को ठीक करने के लिए राजकोषीय नीति के उपाय 1. करो में वृद्वि 2. सार्वजनिक व्यय में कमी 3. घाटे की वित्त व्यवस्था मे कमी 4. सार्वजनिक ऋण में वृद्वि उपराक्त किन्हीं 2 की व्याख्या।	2 1 1
32	सरकारी बजट :– सरकारी बजट एक वित्तीय वर्ष की अवधि के दौरान सरकार की प्राप्तियों तथा सरकार के व्यय के अनुमानों का विवरण होता है, जो एक अप्रैल से 31 मार्च तक के अनुमानित आय और व्यय को प्रकट करता है। उद्देश्यः– 1. आय और सम्पत्ति का पुनः वितरणः– अर्थव्यवस्था में आय और सम्पत्ति के बंटवारे में सुधार लाने हेतु सरकार कराधान तथा आर्थिक सहायता के वित्तीय उपकरणों का प्रयोग करती है। 2. साधनों का पुनः बंटवाराः– अपनी बजट सम्बन्धी नीति द्वारा सरकार साधनों का बंटवारा इस प्रकार करती है जिसमें अधिकतम लाभ तथा सामाजिक कल्याण के बीच सन्तुलित स्थापित किया जा सके। 3. आर्थिक स्थिरताः– बजट के द्वारा अर्थव्यवस्था में आने वाले व्यापार चक्रों को भी नियंत्रित किया जाता है। जिससे मन्दी और तेजी की स्थिति को सुधारा जा सके। 4. सार्वजनिक उद्यमों का प्रबन्धः– सरकार सार्वजनिक उद्यमों का प्रबन्ध करती है जिसके द्वारा देश की विकास की गति को तीव्र किया जाता है। अथवा	1 1 1

प्रत्यक्ष कर	अप्रत्यक्ष कर	
1. इनका अंतिम भार उन्हीं व्यक्तियों को सहन करना पड़ता है जो इसका भुगतान करते है।	1. इनका भुगतान सरकार को एक व्यक्ति करता है और अंतिम भार दूसरा व्यक्ति सहन करता है।	1
2. इन करों को टाला नहीं जा सकता।	2. इन करों को टाला जा सकता है।	1
3. ये कर प्रगतिशील एवं न्यायपूर्ण होते है।	3. ये कर प्रतिगामी एवं अन्यायपूर्ण होते है।	1
4. उदाहरण :– आय कर	4. उदाहरण :– बिक्री कर, उत्पादन कर	1

33	मुद्रा की पूर्ति को नियंत्रित करने के लिए केन्द्रीय बैंक द्वारा जो नीति अपनाई जाती है उसे मौद्रिक नीति कहते है। इसके मुख्य उपकरण इस प्रकार हैः– (A) मात्रात्मक :– (i) बैंक दर :– जिस दर पर किसी देश का केन्द्रीय बैंक अन्य व्यापारिक बैंकों को ऋण देता है उसे बैक दर कहते है। मुद्रा की पूर्ति को बढ़ाने के लिए इसे कम कर दिया जाता है जबकि घटाने के लिए बैंक दर को बढ़ा दिया जाता है। (ii) खुले बाजा की क्रियाए :– खुले बाजार में सरकारी प्रतिभूतियों को खरीदना व बेचना खुले बाजार की क्रियाएं कहलाता है। सरकारी प्रतिभूतियों को सरकार द्वारा बेचने से मुद्रा की पूर्ति घट जाती है और खरीदने से मुद्रा की पूर्ति बढ़ जातीहै। (iii) न्यूनतम नकद निधि अनुपात :–प्रत्येक व्यापारिक बैंक को अपनी जमा का एक निश्चित प्रतिशत केन्द्रीय बैंक के पास जमा करना पड़ता है। इसे नकद निधि अनुपात कहते है। मुद्रा की पूर्ति को बढ़ाने के लिए इसे कम कर दिया जाता है और घटाने के लिए इस अनुपात में वृद्धि कर दी जाती है। (iv) तरलता अनुपात :– प्रत्येक व्यापारिक बैंक को अपनी जमा का एक निश्चित प्रतिशत अपने पास तरल रूप में रखना पड़ता है। इसे तरलता अनुपात कहते है। मुद्रा की पूर्ति को बढ़ाने के लिए इसे कम कर दिया जाता है और घटाने के लिए इस अनुपात में वृद्धि कर दी जाती है। गुणात्मक उपायः– (i) ऋणों की सीमांत आवश्यकता में परिवर्तन (ii) साख की राशनिंग (iii) प्रत्यक्ष कार्यवाही (iv) नैतिक प्रभाव अथवा मुद्रा का अर्थः– मुद्रा की परिभाषा ऐसी किसी वस्तु के रूप में दी जा सकती हे जिसे साधारणतः विनियम का माध्यम स्वीकार किया जाता हो और उसके साथ ही जो मूल्य के मापक और मूल्य के संचय का भी कार्य करती हो। 1. विनियम का माध्यमः– मुद्रा के रूप में एक व्यक्ति अपनी वस्तुओ को बेचता है तथा दूसरी वस्तुओं को खरीदता है। मुद्रा क्रय तथा विक्रय दोनों में ही एक माध्यम का कार्य करती है। 2. मूल्य का मापदण्डः– मुद्रा लेखें की इकाई के रूप मेंमूल्य का माप करती है। अर्थात प्रत्येक वस्तु तथा	1 1 1 1 1 1 1 1 1 1

	सेवा का मूल्य मुद्रा के रूप में मापा जाता है। 3. स्थगित भुगतानों का मापः– जिन लेन–देन का भुगतान तत्काल न करके भविष्य के लिए स्थगित किया जा सकता है उन्हें स्थगित भुगतान कहा जाता है। मुद्रा इस प्रकार के स्थगित भुगतानों के माप का कार्य करती है क्योंकि इसका मूल्य स्थिर रहता और सामान्य स्वीकृति का गुण पाया जाता है। 4. मूल्य का संचयः– मूल्य का संचय का अर्थ मुद्रा का धन के रूप में संचय से है। वस्तु विनियम प्रणाली में यह कार्य कठिन था परन्तु मुद्रा के अविष्कार से धन का संचय बचत के रूप में करना आसान हो गया है। 5. मूल्य का हस्तांतरणः– मूल्य का हस्तांतरण से अभिप्राय पूंजी का एक व्यक्ति को दूसरे व्यक्ति तथा एक स्थान से दूसरे स्थान पर भेजना। मुद्रा में तरलता एवं सामान्य स्वीकृति के कारण मूल्य का हस्तांतरण संभव हो पाया है।	1 1 1
34	राष्ट्रीय आय को मापने की व्यय विधि :– यह विधि एक लेखा वर्ष में अंतिम वस्तुओं और सेवाओं पर जो व्यय किया जाता है उसकी गणना करके राष्ट्रीय आय का अनुमान लगाती है। यह अंतिम व्यय बाजार कीमत पर सकल घरेलू उत्पाद के बराबर होता है। इसे उपभोग एवं निवेश विधि भी कहा जाता है। Step -1. अंतिम व्यय करने वाली ईकाईयों की पहचान (A) परिवार क्षेत्र (B) उत्पादक क्षेत्र (C) सरकारी क्षेत्र (D) शेष विश्व क्षेत्र Step -2. अंतिम व्यय का वर्गीकरणः– (A) निजी अन्तिम उपभोग व्यय (B) सरकारी अंतिम उपभोग व्यय (C) सकल घरेलू स्थाई पूंजी निर्माण (D) स्टॉक में परिवर्तन (E) निवल निर्यात (X – M) उपरोक्त सभी की व्याख्या करें। Step -3. राष्ट्रीय आय की गणना उपरोक्त पॉचों का योग बाजार कीमत पर सकल घरेलू उत्पाद के बराबर होता है। बाजार कीमत पर सकल घरेलू उत्पाद (GDP_{MP}) – स्थाई पूंजी का उपभोग + विदेशों से प्राप्त निवल कारक आय। – निवल अप्रत्यक्ष कर ..... राष्ट्रीय आय (NNP_{FC})	1 1 2 2

	सावधानियां :– 1. अन्तिम व्यय को शामिल किया जाता है। 2. मध्यवर्ती व्यय को शामिल नहीं किया जाता है। 3. शेयर तथा बांडो पर किया गया व्यय शामिल नहीं किया जाता। 4. हस्तारण भुगतान को भी राष्ट्रीय आय में शामिल नहीं किया जाता। अथवा (A) राष्ट्रीय आय (NNP_{FC}) = 71000 + स्थाई पूंजी का उपभोग = 3000 - विदेशों से प्राप्त शुद्ध साधन आय = 1000 + शुद्ध अप्रत्यक्ष कर = 2000 बाजार कीमत पर सकल घरेलू उत्पाद (GDP_{MP}) = 75000 करोड़ (B) मजदूरी और वेतन + प्रचालन अधिशेष + स्वरोजगार की मिश्रित आय + विदेशों से प्राप्त शुद्ध साधन आय = राष्ट्रीय आय (NNP_{FC}) 15000 + 30000 + स्वरोजगार की मिश्रित आय + 1000 = 71000 स्वरोजगार की मिश्रित आय = 71000 – 15000 – 30000 – 1000 = 71000 – 46000 = 25000 करोड़	3 3

MARKING SCHEME
ECONOMICS (576)
CLASS XII **SESSION 2024-25**

<table>
<tr><th>Q.NO.</th><th>EXPECTED ANSWER/ VALUE POINTS</th><th>MARKS</th></tr>
<tr><td>1.</td><td>C</td><td>1</td></tr>
<tr><td>2.</td><td>B</td><td>1</td></tr>
<tr><td>3.</td><td>A</td><td>1</td></tr>
<tr><td>4.</td><td>C</td><td>1</td></tr>
<tr><td>5.</td><td>C</td><td>1</td></tr>
<tr><td>6.</td><td>A</td><td>1</td></tr>
<tr><td>7.</td><td>SOCIAL</td><td>1</td></tr>
<tr><td>8.</td><td>ABOVE</td><td>1</td></tr>
<tr><td>9.</td><td>-VE</td><td>1</td></tr>
<tr><td>10.</td><td>B</td><td>1</td></tr>
<tr><td>11.</td><td>Central problems are the common problems of an economy. These problems are due to limited resources and unlimited wants of humans.
1. What to produce :-consumer goods or capital goods
2. How to produce :- labour intensive technique or capital intensive technique
3. For whom to produce :-for self consumption or market selling.</td><td>1
1
1</td></tr>
<tr><td>12.</td><td>Characteristics of ICs:-
1. ICs are slope –ve.
2. ICs are convex to origin.
3. ICs never intersect each others.
4. Higher ICs show higher level of satisfaction.
5. ICs never touch X-Axis or Y-Axis .
Explain any three from above and carry one marks each.
OR
<table><tr><th>PRICE</th><th>TOTAL EXP.</th><th>ELASTICITY OF DEMAND</th></tr><tr><td>1</td><td>50</td><td rowspan="2">Ed < 1
As +Ve Relation b/w Price & Total Exp.</td></tr><tr><td>2</td><td>64</td></tr></table>
Three marks for above with reasons.</td><td>1
1
1
3</td></tr>
<tr><td>13.</td><td>Diminishing Return to Factor : In the short run with fixed factors if we increase variable factors then total products increase at decreasing rate and in</td><td>1</td></tr>
</table>

this situation marginal product will decrease and cost will increase .

Labours	1	2	3	4	5	6	7
Capitals	10	10	10	10	10	10	10
TP	5	9	12	14	15	15	14
MP	5	4	3	2	1	0	-1

1

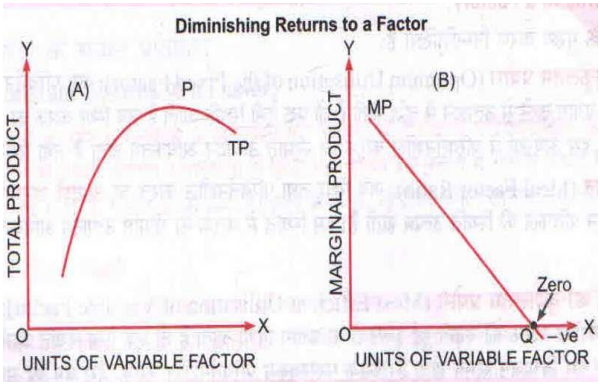

2

14. **Super Normal Profit under PC:**

A firm will be in the equilibrium if

1. MC =MR
2. MC curve cut MR curve from below.

1

A firm will earned Super normal Profit if average revenue is more than average cost. i.e. AR > AC.

1

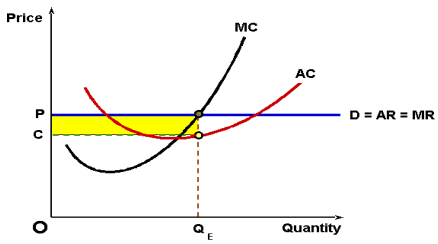

2

Here , SNP is shown by shaded area.

OR

Output	0	1	2	3	4	5	6
TC	10	30	45	55	70	90	110
TFC	10	10	10	10	10	10	10
TVC	0	20	35	45	60	80	100
AFC	-	10	5	3.33	2.5	2	1.67
AVC	-	20	17.5	15	15	16	16.67
MC	-	20	15	10	15	20	20

1

1

1

1

15.

Equilibrium Price:

when market forces will be equal to each other i.e. market demand is equal to market supply then there will be price equilibrium.

1

Price	1	2	**3**	4	5
Quantity demanded	50	40	**30**	20	10
Quantity supplied	10	20	**30**	40	50

1

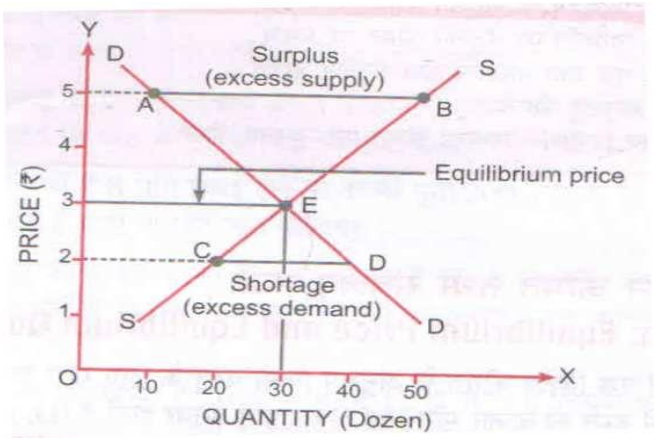

2

Explain table and diagram.

OR

Control Price	Support Price
It is the maximum price of a commodity that the seller can charge from buyers.	It is the assured minimum price offered by government to the farmers for the purchase of their output.
The main objective is to reach essential goods to all people.	The main objective is to regulate the income of farmers.
It is determined below the equilibrium price.	It is determined above the equilibrium price.
There is excess demand . i.e. D >S	There is excess supply . i.e. D < S
Example :- life saving medicine.	Example: - Wheat , Rice

1

1

1

1

16.

It shows how much total expenditure of a good change and in which direction due to change in the price of a good.

1

1) If price ↑ or ↓ and TE remain constant then Ed= 1

2) If price ↑ and TE ↓ or price ↓ and TE ↑ then Ed > 1

3) If price ↑ and TE ↑ or price ↓ and TE↓ then Ed < 1

2

Price	Quantity	Total Exp.	Ed
1 2	10 05	10 10	Unitary
1 2	10 04	10 08	Greater than unit
1 2	10 06	10 12	Less than unit

2

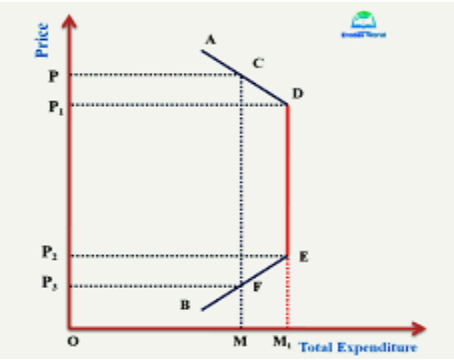

1

Explain table and diagram.

	OR **Law of Demand**: Law of demand states that other things being equal, there is inverse relation between price and quantity demanded. The main causes of application of law of demand are given below: 1. Law of Diminishing Marginal Utilities. 2. Income Effects 3. Substitution effects 4. Size of consumers 5. Different Uses. Explain above points in details.	**1** **1** **1** **1** **1** **1**
17.	Meaning of Perfect competition: - Perfect competition is a market situation where large number of buyers and sellers are buying and selling homogenous products at equal price. Main features:- 1. Large no. of buyers and sellers 2. Homogenous products 3. AR=MR 4. Firms is price taker and industry is price maker 5. Perfect knowledge 6. Perfect mobility 7. Lack of transportation cost 8. Lack of advertisement cost **Explain any above 5 points which carry one marks each.** **OR** Explain the conditions of producer's equilibrium in terms of marginal revenue and marginal cost. Meaning of marginal revenue and marginal cost then i) If MR is greater than MC then firm will increase output ii) If MR is less than MC then firm will decrease output iii) If MR=MC and MC is rising ,then firm will be equilibrium **Conditions of equilibrium** a) MR=MC b) MC cuts MR from below.	**1** **5** **2** **2**

<table>
<tr><td></td><td>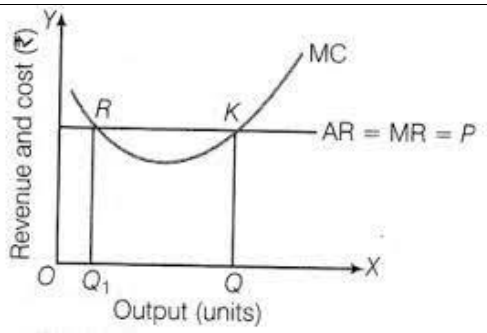

Here, consumer will be equilibrium at point K as it fulfill both conditions.</td><td>2</td></tr>
<tr><td></td><td>SECTION - B</td><td></td></tr>
<tr><td>18</td><td>A</td><td>1</td></tr>
<tr><td>19</td><td>B</td><td>1</td></tr>
<tr><td>20</td><td>C</td><td>1</td></tr>
<tr><td>21</td><td>B</td><td>1</td></tr>
<tr><td>22</td><td>C</td><td>1</td></tr>
<tr><td>23</td><td>D</td><td>1</td></tr>
<tr><td>24</td><td>Indirect</td><td>1</td></tr>
<tr><td>25</td><td>M_1</td><td>1</td></tr>
<tr><td>26</td><td>Operating Surplus</td><td>1</td></tr>
<tr><td>27</td><td>A</td><td>1</td></tr>
<tr><td>28</td><td><table>
<tr><th>Basis</th><th>BOT</th><th>BOP</th></tr>
<tr><td>Meaning</td><td>It refers to difference between amount of exports and imports of visible items.</td><td>It is a systematic record of all economic transactions between residents of a country and rest of the worlds, over a given period of time.</td></tr>
<tr><td>Components</td><td>It includes only visible items.</td><td>It includes visible items , invisible items and capital transfers.</td></tr>
<tr><td>Scope</td><td>It is narrow concept as it is a part of BOP.</td><td>It is a wider concept as it includes BOT.</td></tr>
<tr><td>Capital transactions</td><td>It does not record any Capital transactions.</td><td>It records all Capital transactions.</td></tr>
</table></td><td>1

1

1</td></tr>
<tr><td>29</td><td>Determinants of aggregate demand
AD= C+I+G+NX
Consumption (C):- The expenditure made on goods and services for direct satisfaction by household is called consumption.
C = f (Y)
Investment (I):- Increase in stock of capital goods is called Investment.
Government Exp. (G):- The expenditures made by government on welfare and security are called Government Expenditure.
Net Export (NX) :- The difference between Export and Import is called net export .
Net Export (NX)= Export - Import</td><td>1

1

1</td></tr>
</table>

OR

Income(Y)	1000	1200	1400	1600
Consumption (C)	900	1060	1210	1350
Δ Y	-	200	200	200
Δ C	-	160	150	140
MPC (Δ C / Δ Y)	-	0.80	0.75	0.70
MPS (1- MPC)	-	0.20	0.25	0.30

1
1
1

30

MICRO ECONOMICS	**MACRO ECONOMICS**
It studies with individual economics units	It studies national economy as well as its various aggregates
It primary deals with individual income , output, price of goods etc.	It is the study of aggregates such as national income , output and general price level.
It covers several issues like demand, supply, factor pricing, product pricing, economic welfare, production, consumption, and more.	It covers several issues like distribution, national income, employment, money, general price level, and more.

2

1

1

31

Investment Multiplier:- Investment multiplier is the ratio of an increase of income to given increase in investment.

K= change in income / change in investment

1

Multiplier process :-

Increase in investment	Increase in income	Increase in consumption	Increase in saving
2000	2000	1000	1000
	1000	500	500
	500	250	250
	-	-	-
	-	-	-
	4000	2000	2000

3

K=1/1-MPC =1/1-0.5 =1/0.5 =2

K=ΔY/ΔI =ΔY/2000 =2

ΔY=2000*2 =4000 crores

OR

Inflationary Gap :
Inflationary Gap refers to a situation in which aggregate demand (AD) is more of aggregate supply (AS) corresponding to full employment. **2**

AD > AS : corresponding full employment

Inflationary Gap and Fiscal measures:

1. Increase in tax **1**
2. Decrease in public expenditure **1**
3. Reduction in Deficit financing
4. Increase in Public Debt

Government should follow surplus budget policy.

Explain any two points

32

A government budget is a country's financial report explaining item-wise calculations of future revenue and expenditure. The budget explains the income and expense of a nation.

In India the government presents its budget in front of the Lok Sabha, explaining an estimated receipt and expense for the upcoming financial year. The fiscal year starts from 1st April and concludes on 31st March of the next year. **1**

Objectives :-

1. Reallocation of resources **1**
2. Minimise inequalities in income and wealth
3. Economic stability **1**
4. Manage public enterprises
5. Economic growth. **1**
6. Decrease regional differences.

Explain above any three points.

OR

Direct Tax	Indirect Tax
1. These taxes are imposed on income and wealth.	1. These taxes are imposed on goods and services. **1**
2. These taxes can not be shifted on others.	2. These taxes can be shifted on others. **1**
3. These taxes are progressive in nature.	3. These taxes are often non-progressive in nature. **1**
4. Examples:- Income Tax, Wealth Tax	4. Examples:- Sales Tax (GST) Excises Duty **1**

33.	Monetary policy is the policy used by central bank of an economy to control money supply and credit. The main instruments of monetary policy are:- **Quantitative Measures :-** **1. Bank Rate:-** It is the rate at which central bank lends money to the commercial banks. To increase money supply bank rate can be decrease and to decreased money supply bank rate can be increased. **2. Open Market Operation (OMO) :-** To sell and purchase of Government securities in the open market by central bank is called OMO. When central bank buy securities it leads to increase in money supply and when it sell securities it leads to decrease in money supply. **3. Cash Reserve Ratio (CRR) :-**Under the law a fixed percentage of total deposits of a bank needs to be kept as cash with the central bank . This fixed percentage of cash is termed as CRR. To increase money supply CRR can be decrease and to decreased money supply CRR can be increased. **4. Statutory Liquidity Ratio (SLR) :-** Under the law a fixed percentage of total assets of a bank needs to be kept as cash with itself. It is called Statutory Liquidity Ratio (SLR). To increase money supply SLR can be decreased and to decrease money supply SLR can be increased. **Qualitative Measures:-** **1. Regulation of Marginal Requirement** **2. Rationing of Credits** **3. Moral Suasion** **4. Direct Action** **OR** Money : A medium of exchange that is centralized, generally accepted, recognized, and facilitates transactions of goods and services, is known as money. **Functions of Money:** **i) Medium of exchange:** ● It means that money can be used to make payments for all the transactions of goods and services. ● A buyer can buy goods through money, and a seller can sell goods for money. ● It is an essential function of money. **ii) Measure of value**: ● Money serves as a measure of value. ● The value of all goods and services is expressed in terms of money.	**1** **1** **1** **1** **1** **1** **1** **1** **1**

	iii) Standard of deferred payments: ● It means that money acts as a 'standard' for making future payments. ● It has made deferred payments much easier than before. ● Example: When we borrow money from somebody, we have to return both the principal as well as the interest amount in the future. ● Money is a convenient mode of calculation and payment of interest amount to be paid in the future. ● This function has facilitated borrowing and lending. ● It has also led to the creation of financial institutions. **iv) Store of value:** ● **A** store of value implies a store of wealth. ● Money can be easily stored for future use. ● It is the most convenient and economical means to store earnings and wealth. **v) Transfer of value:** ● Money also serves for transfer of value. ● It facilitates buying and selling of goods not only in the domestic country but also in other parts of the world. **" Money is a matter of functions four .** **A medium, a measure, standard and store.** **It does not clear the picture,** **We may add transferability more "**	**1** **1** **1**
34.	Expenditure Method is one of the three methods to determine national income. The other two methods are the value added method and income method. It is also known as consumption and investment method, and its primary objective is to calculate the national income by aggregating all the final expenditure on final goods and services in the economy during a year . ***Different steps of expenditure methods:*** **1. Identification of economic units incurring final ecpendiyure** i) Household Sector ii) Producing Sector iii) Government Sector iv) Rest of the world **2. Classification of final expenditure** A) Private final consumption expenditure B) Govt. final consumption expenditure C) Gross domestic fixed capital formation D) Change in stock E) Net export (X-M)	**1** **1** **2**

	3. ESTIMATION OF NATION INCOME **GDP at MP (A+B+C+D+E)** - Depreciation - Net Indirect Tax + Net Factor Income from Abroad(NFIA) **National Income (NNP at FC)** **OR** **i) National Income (NNP_{FC}) = 71,000** **+** Consumption of fixed capital = 3,000 - Net factor income from abroad = 1,000 + Net Indirect Tax = 2,000 **GDP_{MP} = 75,000 Cr.** **ii) Wages and Salaries + Operating Surplus + Mixed Income of Self-Employment + Net factor income from abroad = National Income** **15,000 + 30,000 + Mixed Income of Self-Employment + 1,000 = 71,000** **Mixed Income of Self-Employment =71,000 – 46,000** **Mixed Income of Self-Employment= 25,000 Cr.**	**2** **3** **3**